जय अमरनाथ बाबा | By Ashish Sharma

जय अमरनाथ बाबा, जय बाबा बर्फानी
भूखों को अन्न मिले और प्यासो को पानी
जय अमरनाथ बाबा.....

सब शोक मिटा देते ये पर्वत के वासी
उज्जैन के राजा हैं मेरे भोले अविनाशी
एक अमर कहानी है जो शिव की है वाणी
जय अमरनाथ बाबा, जय बाबा बर्फानी
जय अमरनाथ बाबा.....

कुछ योग संवरते हैं,कुछ पुण्य उभरते हैं
तब अमरनाथ बाबा के दर्शन मिलते हैं
कई जन्मो के तप से जाते हैं जहाँ प्राणी
जय अमरनाथ बाबा, जय बाबा बर्फानी
जय अमरनाथ बाबा.....

ना मात पिता कोई ना धर्म जात कोई
मेरे भोले बाबा के ना कागज़ात कोई
जो चाहे वो देदे कर दे जो मेहरबानी
जय अमरनाथ बाबा, जय बाबा बर्फानी
जय अमरनाथ बाबा.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%85%e0%a4%ae%e0%a4%b0%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-by-ashish-sharma/